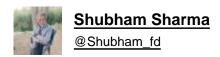
Twitter Thread by Shubham Sharma





Congrats, one of our reports on the Amethi case has been approved by the Chargesheet filed by police. In this case, a Dalit Pradhan was burnt to death by 4-5 Brahmins. It was a completely blind case but our team dig out the facts and published that the named accused are innocent.

Initially, mainstream media falsely reported the case and called UC men a black stain for our society. For your reference, I am posting some big media's news links https://t.co/a8fAZAvSxl

News 18 https://t.co/vHFuvpALEh

The lallantop https://t.co/6ectkVnlki

Zee News https://t.co/5LDkycoP0g

NDTV https://t.co/COoqtR59sI

Now see what we reported https://t.co/TBoXWS5prf

As usual, when every media was blaming UC, only <u>@FDikhana</u> investigated and said the facts. Moreover, due to our report, the so-called victim side has changed their statement and said it was a suicide attempt by Dalit Pradhan. All thanks to <u>@FDikhana</u>. Here is the copy

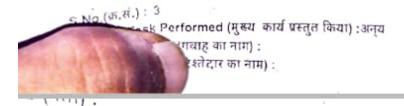
House No.(मकान संख्या) : Colony/Locality/Area (कॉलोनी/इलाका/क्षेत्र): Tehsil/Block/Mandal (तहसील/ब्लॉक/मंडल) : State (राज्य) : Pincode (पिन संख्या) :

Street Name(गली का नाम) : Village/Town/City (ग्राम/नगर/शहर) : District (ज़िला) :

Police Station(पुलिस स्टेशन) : Country(देश) :

f) Description(विवरण):

वयान गवाह पंचायतनामा....शी सुरेन्द कुमार पुत्र स्व० अर्जुन निवासी वन्दोईया थाना मुंशीगज जन्पद अमेठी ने पूछने पर पंचायतनामा अत्रामात का सम्थिन करते हुए बताया कि गेरे पिता अर्जुन प्रसाद दिनॉक 29/10/20 को शाम 7 बजे कही गये थे हम लोग घबड़ाकर थाने मे प्रार्थना पत्र दिये थे, रात में करीब 11.00 वजे जाकर देखें तो कृष्ण कुमार तिवारी के हाते के अन्दर जले पड़े थे। गम्भीर हालत में अस्पताल लेकर गरो । आराम नहीं मिला सुनवानपुर सरकारी अस्पताल में इलाज कराये आराम नहीं मिला लखनऊ इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गयी। मेरे गाँव के रामबाबू उर्फ संदीप मिश्रा व अजय तिवारी, सन्तोप तिवारी, राजेश मिश्रा, कृष्ण कुमार तिवारी मेरे ग्राम प्रथान माता के पाद साल के ग्राम प्रधानी के कार्य की विभागीय जॉच करवा रहे थे। अभियुक्तगण ने मेरे पिता को जेल भेजवाने का पूरा काम कर दिया था। ग्राम प्रधानी का पैसा अभियुक्तगण अपने अपने खाते में काम करवाकर वन्दर बाट कर दिये। मुझे शंका है कि इन्हीं लोगों में से संदीप उर्फ रामवार मिशा व अजय तिवारी ने कृष्ण कुमार तिवारी, राजेश मिशा, सन्तोप तिवारी के विरुद्ध मेरे पिता को भड़का दिया था कि यही लोग जाँच करवा रहे है जॉच खिलाफ आने पर प्रधान को जेल भेज दिया जायेगा। जिससे मेरे पिता अर्जुन मानसिक रूप से काफी तनाव में थे। जिसकी वर्चा मेरे पिता कई वार घर में किये थे। इसी वजह से साजिश करके अधियुक्तगण मिलकर मेरे चिंता को आत्महत्या के लिए उकसा दिया जबकि कृष्ण कुमार तिवारी, राजेश मिश्रा, संतोप तिवारी प्रधानी के पराम्भ में मेरी माता ग्राम प्रधान का काफी सहयोग कर रहे थे। ये लोग भी ग्राम प्रधानी का पैसे का वारीय डेड साल तक बन्दर बांट कर दिये। तथा उसके बाद संदीप मिश्रा उर्फ रामवाबू व अजय तिवारी प्रधानी में काफी सहयोग करने लगे तो कृष्ण कृमार तिवारी, राजेश मिश्रा, संतोप तिवारी खिलाफत करने लगे सोवे की ग्राम प्रधान हम लोगो ने बनवाया और सदीप मिश्रा उर्फ राम्यान व अंजय तिवारी पाम प्रधानी का लाभ उठा रहे है। करीब डेढ साल के प्राम प्रधानी के बाद संदीप मिश्रा उर्फ राम बाबू व अजय तिवारी ग्राम प्रधानी के पुरे समय तय करीव साढ़े तीन साल तक पाम प्रधान मेरी माता से गाँव के विकास का मनरेगा का पैसा, राज्य वित का पैसा का देखरेख मेरे भाता अनपढ़ होने के कारण करते रहे थे। मेरे पिता को सदीप मिश्रा उर्फ रामबाबू अपने स्कार्पियों में अजय तिवारी के साथ रोज ले जाना, ले आना तथा अवश्यकता पर मेरी माता ग्राम प्रधान को ग्राम प्रधानी के काम से ले जाना, ले आने का सारा देखरेख का काम करते थे। इन लोगो ने भी पाम पंधानी का पैसा वन्दर थांट कर दिया था इसी वजह से मेरे पिता अर्जुन प्रसाद काफी तनाव मे रहते थे। ग्राम प्रधानी के काम में विभागीय जन्म से परेशान होकर अभियुक्त गण के किये गये उत्पीडन से तम आ बार काफी सुद्ध थे इन लोगों में से सदीए मिश्र उर्फ रामवाबू व शातिर दिमाग का व्यक्ति अजय तिवारी ने विशेष रुचि लेकर मेरे पिता को आत्महत्या के लिये बारी वारी उत्तपेरित किये है। मुझे शंका है कि इन्हीं लोगों ने साजिस किया जिससे मेरे पिता की जलकर मौत हो गयी। मेरे पिता के पचायतनामा की कार्यवाही स्थानीय पुलिस द्वारा दी गई। पोस्टमार्टम के बाट अन्निम संस्कार किया तथा था। यही मेरा बयान है।



Now think when the incident happened a dying declaration of the deceased man went viral where he was blaming the UC men for the incident. He said they kidnapped him and put him on fire. Just like Hathras. Govt gave 5 lacs as compensation.

https://t.co/CklqgHSDaY

All UC men are in jail for the last 3 months. One of the accused Rajesh Mishra missed her mother's funeral. All pain and miseries due to the draconian Sc-St act and propaganda by the mainstream media. Even right-wing media reported false.

Listen to the audio. A fake dying declaration just like the Hathras case. It was not an easy task for us to do as prima facia the Pradhan was looking right!

